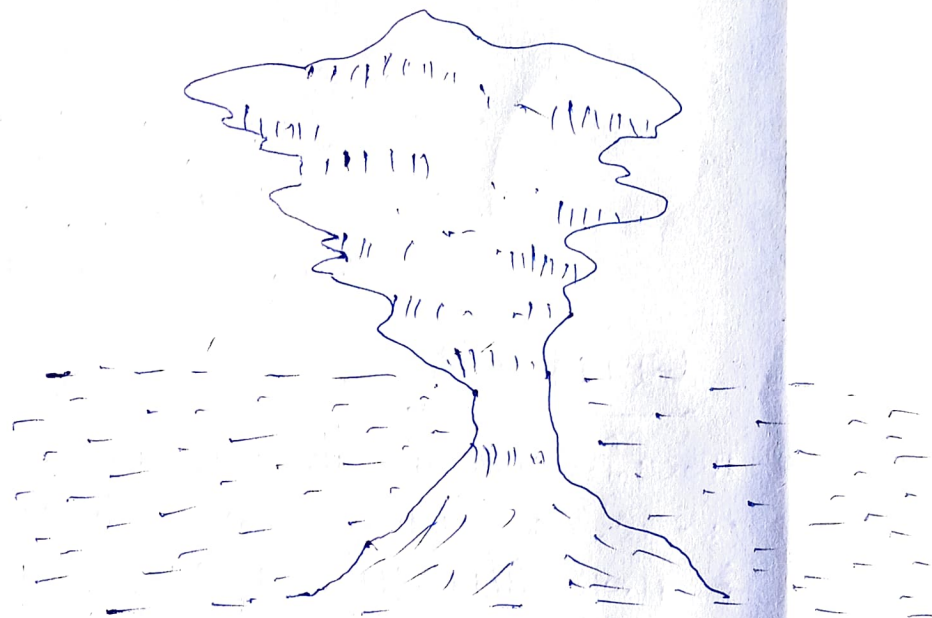


3. घत्रक शिला (Mushroom rock)

by Dharmesh wani

मरूस्थली भागों में यदि कठोर शैल के रूप में उपरी आवरण के नीचे कोमल शैल लम्बवत् रूप में मिलती है तो उस पर पवन के अपघर्षण के प्रभाव से विचित्र प्रकार के स्थानों का निर्माण होता है। तीव्र पवन के रेत तथा धूलिकाओं की प्रचुरता पवन के नीचले स्तर में अर्थात् खतर से 6 फीट (182 cm) की ऊंचाई तक ही होती है। ऊपर जाने पर इनकी मात्रा कम होती जाती है। इस कारण पवन द्वारा चट्टान के नीचले भाग में अत्यधिक अपघर्षण द्वारा उसका आधार कटने लगता है, जबकि उपरी भाग अप्रभावित रहता है।

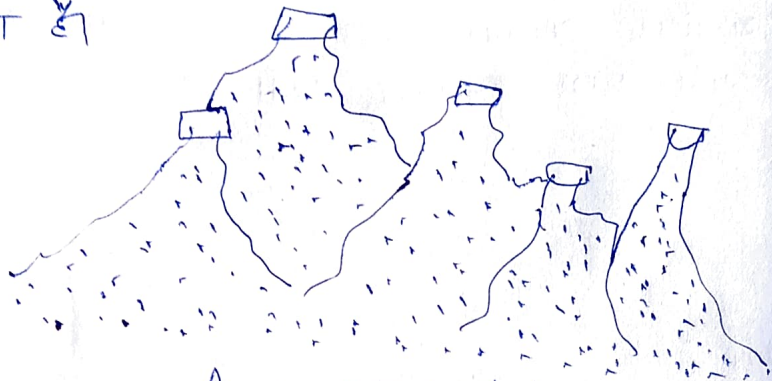


चित्र: घत्रक शिला (Mushroom rock)

यदि पवन एक ही दिशा में चलती है तो चट्टानों का कटाव केवल एक ही दिशा में ही पाता है, परन्तु यदि पवन कई दिशाओं में चलती है तो चट्टान का निचला भाग चारों तरफ से अत्यधिक कट जाने के कारण पतला हो जाता है, जबकि उपरी भाग अप्रभावित रहने के कारण अधिक विस्तृत रहता है। इस तरह एक घत्रकनुमा स्थलरूप का निर्माण होता है, जिसे घत्रक शिला कहते हैं। घत्रक शिला को सहारा के रेगिस्तान में जारा कहा जाता है। जर्मनी में इसे पिट्टलफैल्लन नाम से सम्बोधित करते हैं। इसे पैसटल शैल भी कहते हैं।

भूस्तम्भ (demoiselles) ⇒

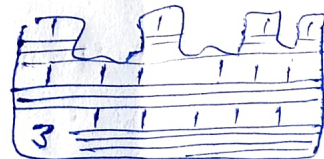
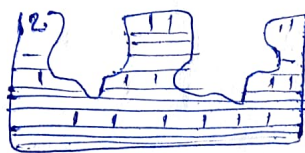
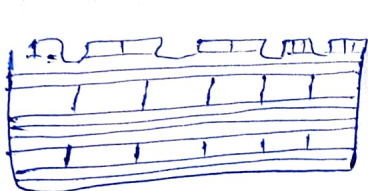
शुष्क प्रदेश में जहाँ पर अलंकारित तथा कोमल शैल के ऊपर कठोर तथा प्रतिरोधी शैल का आवरण होता है, वहाँ पर इस आवरण के कारण नीचे की कोमल शैल का अपरदन नहीं हो पाता है, क्योंकि ऊपरी कठोर शैल के आवरण से विपरीत कोमल शैल को संरक्षण प्राप्त होता है परन्तु हमीपी कोमल चट्टान का अपरदन होता रहता है, जिस कारण अगल-बगल की शैल टूट कर हट जाती है और कठोर शैल के आवरण वाला एक स्तम्भ के रूप में सतह पर दिखाई पड़ता है। इसे भूस्तम्भ कहा जाता है।



चित्र: भूस्तम्भ (demoiselles)

ज्यूर्जन (Zeugen)

मरुस्थली भाग में यदि कठोर तथा कोमल शैलों की परतें ऊपर-नीचे एक-दूसरे के समानान्तर होती हैं तो अपक्षय तथा वायु द्वारा अपरदन के कारण विभिन्न प्रकार के स्थलरूपों का निर्माण हो जाता है, जो ढक्कनदार ढावात के समान होते हैं अर्थात् उनका ऊपरी भाग कम चौड़ा तथा निचला भाग अधिक चौड़ा होता है। परन्तु इन स्थलरूपों के ऊपरी भाग पर कठोर शैल का आवरण होता है तथा इनका ऊपरी भाग समतल होता है। ऐसे स्थलरूपों को ज्यूर्जन कहा जाता है। इनका निर्माण प्रायः ऐसे मरुस्थली भागों में होता है, जहाँ पर रात के समय तापमान कम हो जाने से शैलों की सुराखों में स्थित जल जम जाता है। ज्यूर्जन के निर्माण की क्रिया अल्पन्त सरल है।



चित्र: ज्यूर्जन या ज्यूर्जन

ज्यूर्जन की ऊंचाई 90 से 150 फीट तक मिलती है।



















Zeugen



Yardangs



Dreikanter



Blow Outs



Inselbergs



Desert pavement

⌂ Vo WiFi 25
Aeolian Landforms: Depositional



Erg



Ripples



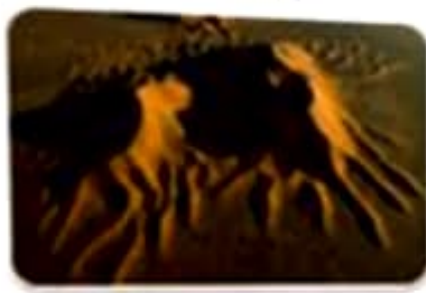
Barchan



Longitudinal Dunes



Transverse Dunes



Star Dunes